17 अगस्त 2009, कुल पृष्ठ : 8, मूल्य : 2/- आर. एन. आई. 31109/77 RJ / J. P. C / FN-61 / 2009-11

जैन
पथप्रदर्शक

ए-4, बापूनगर, जयपुर - 302015 (राज.)

नैतिक एवं सामाजिक चेतना का अग्रदूत निष्पक्ष पाक्षिक

पर्याय की पामरता के नाश का उपाय पर्याय की पामरता का चिंतन नहीं, स्वभाव की सामर्थ्य का श्रद्धान है, ज्ञान है।

ह्न बारह भावना अनुशीलन, पृष्ठ-173

वर्ष : 32, अंक : 10 सम्पादक : **पण्डित रतनचन्द भारिल्ल** आजीवन शुल्क : 251 रुपये

अगस्त (द्वितीय), 2009 प्रबन्ध सम्पादक : **पण्डित संजीवकुमार गोधा** वार्षिक शुल्क : 25 रुपये

डॉ. भारिल्ल की हीरक जयन्ती वर्ष आयोजन समिति का गठन

अखिल भारतीय जैन युवा फैडरेशन के 30 वें राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर कोलारस में फैडरेशन द्वारा डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल की हीरक जयन्ती मनाने का निर्णय लिया गया था। इस आयोजन को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने के लिये अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर सम्पूर्ण जैनसमाज की प्रमुख संस्थाओं एवं पदाधिकारियों की एक आयोजन समिति का निम्नानुसार गठन किया गया है ह्न

अध्यक्ष : मुकुन्दभाई खारा, मुम्बई

महामंत्री : अशोककुमार बड़जात्या, इन्दौर

मंत्री : महेन्द्रकुमार पाटनी, जयपुर

परमसंरक्षक

माननीय प्रदीप जैन : ग्रामीणविकास राज्यमंत्री, भारत सरकार

विजय जैन, अहमदाबाद : अध्यक्ष, श्री दि. जैन महासमिति

बलवंतराय जैन, भिलाई : अध्यक्ष, अखिल भा. दि. जैन परिषद्

विमल अजमेरा, इन्दौर : अध्यक्ष, दि.जैन सोश्यल ग्रुप फैडरेशन

श्रीमंत सेठ डालचन्द जैन, सागर : अध्यक्ष, अ.भा.तारण-त.दि. जैन महासभा

नरेशकुमार सेठी, जयपुर : अध्यक्ष, दि.जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी

रवीन्द्र मालव, ग्वालियर : अध्यक्ष, अ.भा.जैन पत्र संपादक संघ

चक्रेश जैन, दिल्ली : महामंत्री, दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी

संरक्षक

सिंघई राजेन्द्र कुमार जैन, जबलपुर : अध्यक्ष,श्री भा.दि.जैन परवार सभा, जबलपुर

मणीन्द्र जैन, दिल्ली : अध्यक्ष, अ.भा.जैसवाल जैन महासभा

ऋषभ चंदेरिया, कोतमा : अध्यक्ष, अ. भा. दि. जैन गोलापूर्व महासभा

हंसमुख गांधी, इन्दौर : अध्यक्ष, फैडरेशन ऑफ हूमड़ दि. जैन समाज

हुकमचन्द जैन शाह बजाज, इन्दौर : कार्याध्यक्ष, श्री दि. जैन महासमिति

डॉ. त्रिलोकचंद कोठारी, दिल्ली : चैयरमेन, ओम कोठारी ग्रुप ऑफ कंपनीज

सुमनभाई दोशी : दि. जैन संघ राजकोट

प्रेमचन्द बजाज : मुमुक्षु आश्रम कोटा	बालचंद पाटनी, कोलकाता
कान्तिभाई मोटानी, मुम्बई	भबूतमल भण्डारी, बैंगलौर
अजितप्रसाद जैन, दिल्ली	सम्पतकुमार गधइया, जयपुर
भीमजीभाई शाह, लंदन (U.K.)	अतुलभाई खारा, डलास (U.S.A.)
निरंजनभाई शाह, शिकागो (U.S.A.)	किरीटभाई गोशालिया, फिनिक्स (U.S.A)
महेन्द्रभाई शाह, मियामी (U.S.A.)	डॉ. महावीर शाह, कंटकी (U.S.A.)

परामर्शदाता : पण्डित ज्ञानचन्द जैन सोनागिर, पण्डित विमलकुमार झाँझरी उज्जैन

प्रचारमंत्री : अखिल बंसल, जयपुर मो.9929655786

कार्यालयमंत्री : पीयूष शास्त्री, जयपुर मो.9785643202

सहयोगी संस्थाएँ : 1. पूज्य श्रीकानजीस्वामी स्मारक ट्रस्ट, देवलाली 2. पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट, जयपुर 3. श्री दिगम्बर जैन महासमिति, दिल्ली 4. अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद्, दिल्ली 5. दि. जैन सोश्यल ग्रुप, फैडरेशन 6. गुजराती दि. जैन समाज महासंघ, मुम्बई 7. जैन अध्यात्म एकेडमी इन नार्थ अमेरिका (जाना) 8. मुमुक्षु आश्रम ट्रस्ट, कोटा 9. तीर्थधाम सिद्धायतन, द्रोणगिरि 10. कुन्दकुन्द प्रवचन प्रसारण संस्थान, उज्जैन 11. शासन प्रभावना ट्रस्ट (ढाई द्वीप जिनायतन), इन्दौर 12. श्री अ.भा. दि. जैन विद्वत्परिषद्, दिल्ली 13. पण्डित टोडरमल स्नातक परिषद्, जयपुर 14. राजस्थान प्रान्तीय भारत जैन महामण्डल 15. राजस्थान प्रान्तीय महिला भारत जैन महामण्डल 16. अखिल भारतीय जैन पत्र सम्पादक संघ 17. दिगम्बर जैन सर्वोदय स्वाध्याय समिति, कोल्हापुर 18. जैन नवयुवक मण्डल, बेलगाँव 19. दिगम्बर जैन समाज बापूनगर सम्भाग, जयपुर 20. श्री तारण-तरण दि. जैन तीर्थक्षेत्र निसईजी ट्रस्ट 21. जिनागम एवं श्रमण संस्कृति संरक्षण संवर्धन न्यास, ग्वालियर 22. अखिल भारतीय तारण-तरण दि. जैन महासभा, सागर 23. अखिल भारतीय तारण-तरण जैन युवा परिषद्, सागर 24. श्री कुन्दकुन्द दि. जैन स्वाध्याय मंडल ट्रस्ट, नागपुर।

* इस समिति का संयोजक जैन युवा फैडरेशन होने से उसकी क्षेत्रीय समितियाँ, समस्त पदाधिकारीगण और सभी सदस्य स्वाभाविकरूप से इसके सदस्य हैं ही।

इस प्रसंग पर देश के अनेक स्थानों पर इस आयोजन की तैयारी उत्साहपूर्वक की जा रही है। अभी तक प्रशिक्षण शिविर के अवसर पर कोलारस (म.प्र.) में 25 मई, 09 को एवं 1 जुलाई, 09 को लॉसएंजिल्स (अमेरिका) में जाना संस्था द्वारा आयोजन किये जा चुके हैं। अब आगे 19 अगस्त,09 को अध्यात्म स्टेडी सर्किल द्वारा भारतीय विद्याभवन मुम्बई में, जयपुर जैनसमाज द्वारा 4 अक्टूबर को स्मारक भवन जयपुर में, 20-21 अक्टूबर को कोल्हापुर में, 22-23 अक्टूबर को बेलगाँव में, 29 नवम्बर को इन्दौर में, 26 दिसम्बर को यात्रा संघ द्वारा श्रवणबेलगोला में, 8 से 11 मार्च, 2010 को निसई में अखिल भारतवर्षीय तारण समाज द्वारा, महावीर जयन्ती पर उदयपुर में एवं 25 मई, 2010 को प्रशिक्षण शिविर के अवसर पर देवलाली में विशाल स्तर पर आयोजन होने जा रहे हैं।

ये सभी अभी तक के सुनिश्चित कार्यक्रम हैं। जैनसमाज की विविध पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से इस अवसर पर विशेषांक भी निकाले जा रहे हैं। ●

सम्पादकीय –

चलते–फिरते सिद्धों से गुरु (34)

(गतांक से आगे ...) ह्न पण्डित रतनचन्द भारिल्ल

९. निर्जरानुप्रेक्षा का स्वरूप बताते हुए आचार्य पूज्यपाद ने निर्जरा के गुण–दोषों का चिन्तन करना, निर्जरानुप्रेक्षा कहा है।

निश्चयनयपरक निर्जरानुप्रेक्षा में कुन्दकुन्द स्वामी कहते हैं कि ह्न 'शुभाशुभभाव के निरोधरूप संवर और शुद्धोपयोगरूप योग से युक्त जो जीव अनेक प्रकार के तप करता है; वह नियम से अनेक प्रकार के कर्मों की निर्जरा करता है। जो साम्यभावों में लीन होकर बार–बार आत्मा का स्मरण करता है, ध्यान करता है तथा इन्द्रियों और कषायों को जीतता है; उसके उत्कृष्ट निर्जरा होती है।

निज परमात्मानुभूति के बल से निर्जरा करने के लिए दृष्ट, श्रुत व अनुभूत भोगों की आकांक्षादिरूप विभावपरिणाम के त्यागरूप संवेग तथा वैराग्य परिणामों के साथ रहना निर्जरानुप्रेक्षा है।

स्थिति पूरी होने पर जो कर्मपरमाणु उदय में आकर खिर जाते हैं। उसे **सविपाक निर्जरा** कहते हैं और व्रतादि आराधना के भावों का निमित्त पाकर समय से पहले उदय में आकर खिर जाना **अविपाक निर्जरा** है।

अहंकार और निदान रहित ज्ञानी के बारह प्रकार के तप से तथा वैराग्य भावना से निर्जरा होती है।

वेदनाविपाक का नाम निर्जरा है। वह दो प्रकार की होती है ह्न अबुद्धिपूर्वा और कुशलमूला। नरकादि गतियों में कर्मफल के विपाक से उत्पन्न हुई जो अबुद्धिपूर्वा (सविपाक) निर्जरा होती है, तथा परीषह के जीतने पर जो निर्जरा होती है, वह कुशलमूला (अविपाक) निर्जरा है, वह शुभानुबन्धा और निरानुबन्धा होती है। इस प्रकार निर्जरा के गुण दोषों का चिन्तवन करना निर्जरानुप्रेक्षा है। इस संदर्भ में पं. दौलतरामजी कहते हैं ह्न

'निज काल पाय विधि झरना, तासों निज काज न सरना।
तप करि जो कर्म खिपावै, सोई शिवसुख दरसावे ।।'

१०. लोकानुप्रेक्षा ह्न यद्यपि लोकभावना की विषयवस्तु बहुत विस्तृत है, तथापि ज्ञानियों ने उसका प्रतिपादन एक–एक छन्द में साररूप में किया है; ऐसा करने पर लोकभावना की सम्पूर्ण भावना को उसमें समाहित कर लिया है।

इस दृष्टि से कविवर दौलतरामजी का निम्न पद्य दृष्टव्य है ह्न

किनहू न करै न धरै को, षट् द्रव्यमयी न हरै को।
सो लोकमांहि विन समता, दुःख सहै जीव नित भ्रमता।।

छहद्रव्यों के समुदायरूप इस लोक को न तो किसी ने बनाया है, न कोई इसे धारण किए है और न कोई इसका विनाश ही कर सकता है। इस लोक में यह आत्मा अनादिकाल से समताभाव के बिना भ्रमण करता हुआ अनन्त दुःख सह रहा है।

लोकभावना में छहद्रव्यों के समुदायरूप लोक की बात एवं लोक की भौगोलिक स्थिति चिन्तन का विषय बनती है।

इस भावना में मूल बात लोक के स्वरूप का प्रतिपादन नहीं, बल्कि सम्यग्ज्ञान और समताभाव बिना जीव ने जो अनादि से परिभ्रमण किया है, उसकी बात है, क्योंकि सम्यग्ज्ञान और समताभाव की रुचि जागृत करना ही इन भावनाओं के चिन्तन का मूल प्रयोजन है।

यह बात कविवर मंगतरायकृत लोकभावना में अधिक स्पष्ट हुई है, जो इसप्रकार है ह्न

लोक अलोक अकाश माँहि थिर निराधार जानो।
पुरुषरूप कर कटि भये षट्द्रव्यन सों मानो।।
इसका कोई न करता हरता अमिट अनादी है।
जीव रु पुद्गल नाचे यामें कर्म उपाधी है।।
पाप–पुण्य सों जीव जगत में नित सुख–दुख भरता।
अपनी करनी आप भरै शिर औरन के धरता।।
मोहकर्म को नाश मेटकर सब जग की आशा।
निजपद में थिर होय लोक के शीश करो वासा।।

अलोकाकाश में ये षट्द्रव्यमय जगत तो स्वयं के आधार पर स्थित है और कमर पर हाथ रखे पुरुष के आकार का है। इस लोक का कोई भी कर्त्ता–हर्त्ता नहीं है; क्योंकि यह अनादि–अनन्त अमिट है। इस लोक में कर्म की उपाधि के कारण जीव और पुद्गल ही नृत्य कर रहे हैं, पाप–पुण्य के वश जीव निरन्तर दुःख–सुख भोग रहा है। यद्यपि यह जीव अपनी करनी का फल स्वयं ही भोगता है; तथापि उसे दूसरों के शिर मढ़ता रहता है। यह वृत्ति ही इसके दुःखों का, परिभ्रमण का मूल कारण है।

अतः हे भव्यप्राणियों! यदि अपना हित चाहते हो तो सम्पूर्ण जगत की सभी आशाओं को मेटकर और मोहकर्म का नाश करके निज पद में स्थिर हो जाओ। यदि ऐसा कर सके तो तुम्हारा आवास लोक के शिखर पर होगा। तात्पर्य यह है कि तुम्हें सिद्धपद की प्राप्ति होगी; क्योंकि सिद्ध भगवान ही लोकशिखर पर विद्यमान सिद्धशिला पर विराजते हैं।''

लोकभावना की मूल भावना पण्डित जयचंदजी छाबड़ा के शब्दों में इसप्रकार है ह्न

लोकस्वरूप विचारिकै आतमरूप निहारि।
परमारथ व्यवहारगुणि मिथ्याभाव निहारि।।

हे आत्मन् ! निश्चय–व्यवहार को अच्छी तरह समझकर मिथ्याभावों को दूर करो। छहद्रव्यमयी लोक के स्वरूप को भलीभांति विचार कर स्वयं को देखो, आत्मा का अनुभव करो।

आचार्य पूज्यपाद लिखते हैं ह्न 'अनन्त अलोकाकाश के मध्य देश में स्थित लोक के आकारादिक का वर्णन करके, उसके स्वभाव का अनुचिन्तन करना, लोकानुप्रेक्षा है।'

इसप्रकार लोकस्वरूप विचारनेवाले के तत्त्वज्ञान की विशुद्धि होती है।

लोकभावना में व्यवहार एवं निश्चयनय का कथन करते हुए स्वामी कार्तिकेय कहते हैं कि ह्न

'एवं लोयसहावं, जो झायदि उवसमेक्कसब्भाओ।
सो खविय कम्मपुंजं, तस्सेव सिहामणी होदि।।

जो पुरुष लोक के स्वभाव को जानकर, उपशमभाव से परिणत होकर अपनी आत्मा को ध्याता है, वह कर्मसमूह का नाश करता है और लोक का शिखामणि होता है अर्थात् मुक्ति को प्राप्त करता है।' **(क्रमशः)**

दशलक्षण महापर्व में धर्म प्रभावनार्थ कहाँ-कौन ?

पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 24 अगस्त 09 से प्रारम्भ हो रहे दशलक्षण महापर्व में समाज के आमंत्रण पर तत्त्वप्रचारार्थ विद्वान भेजे जा रहे हैं। दिनांक 11 अगस्त 09 तक हमारे पास 530 स्थानों से आमंत्रण प्राप्त हो चुके हैं और अभी भी अनेक स्थानों से आमंत्रण प्राप्त हो रहे हैं। दिनांक 10 अगस्त 09 तक लिये गये निर्णयानुसार अब तक लगभग 372 स्थानों पर ही विद्वान निश्चित हो सके हैं; शेष स्थानों पर विद्वान निश्चित करना बाकी है। अभी तक तैयार सूची यहाँ प्रकाशित की जा रही है ह्न

राजस्थान प्रान्त

1. **कोटा** बाबू जुगलकिशोरजी 'युगल' 2. **जयपुर** पं. श्री रतनचन्दजी भारिल्ल, जयपुर 3. **उदयपुर (सेक्टर–3)** ब्र. यशपालजी जैन, जयपुर 4. **भरतपुर** पं. श्री अरुणकुमारजी शास्त्री, अलवर 5. **कोटा (रामपुरा)** पं. श्री अनुभवजी शास्त्री, कानपुर 6. **केशवनगर – उदयपुर** पं. श्री खेमचन्दजी शास्त्री, उदयपुर 7. **अजमेर** पं. श्री श्रेयांसजी शास्त्री, जबलपुर 8. **कोटा (इन्द्र विहार)** पं. श्री कोमलचन्दजी टडा, द्रोणगिरि 9. **उदयपुर (मु. मंडल)** पं. श्री आशीष शास्त्री, भिण्ड 10. **उदयपुर (सेक्टर–11)** पं. श्री जयकुमारजी जैन, बारां 11.**भीलवाड़ा** पं. श्री विरागजी शास्त्री, जबलपुर 12. **बीकानेर** प. श्री कैलाशचन्दजी शास्त्री, मोमसार 13. **शाहबाद** पं. श्री भगवतीप्रसादजी शास्त्री 14. **रामगढ़** पं. श्री पद्माकरजी शास्त्री, जयपुर 15. **देवली (चन्द्रप्रभ मंदिर)** पं. श्री धर्मचन्दजी जैन, जयथल 16. **पिडावा** पं. श्री कमलेशजी शास्त्री, मौ 17. **उदयपुर (गायरीयावास)** पं. श्री वीरेन्द्रजी वीर, फिरोजाबाद 18.**अलवर (आदिनाथ जिनालय)**पं. श्री अजितकुमारजी जैन, फिरोजाबाद 19. **अलवर (चेतन एन्क्लेव)** पं. श्री अशोककुमारजी जैन, सिरसागं 20. **रावतभाटा** पं. श्री विकास जैन शास्त्री, इन्दौर 21. **किशनगढ़** पं. श्री जयेश जैन शास्त्री, उदयपुर 22. **टोकर** पं. श्री ज्ञानचन्दजी जैन, झालावाड़ 23. **पीसांगन** पं. श्री विवेकजी शास्त्री दिल्ली व पं. आशीषजी शास्त्री टोंक 24. **बूँदी (नैनवा रोड़)** पं. श्री वीरेन्द्रकुमारजी शास्त्री, नारदपुरा 25. **बूँदी (मलाह शाहजी मंदिर)** पं. श्री समकितजी शास्त्री, बाँसवाड़ा 26. **उदयपुर (गायरीयावास)** पं. श्री आत्मप्रकाश जैन, बाँसवाड़ा 27. **निवाई** पं. श्री शिखरचन्दजी शास्त्री 28. **साकरोदा** पं. श्री भावेश शास्त्री, उदयपुर 29. **झालरापाटन** पं. श्री विक्रान्तजी शास्त्री, झालरापाटन 30. **अलवर (शिवाजी पार्क)** पं. श्री अजितकुमारजी शास्त्री, फुटेरा 31. **जौलाना** पं. श्री संयम शास्त्री, सिलवानी 32.**अलीगढ़** पं. श्री पदमचन्दजी जैन, कोटा 33. **रामगढ़ (अलवर)** पं. श्री मयंकजी शास्त्री, बाँसवाड़ा 34. **भीण्डर** पं. श्री समकित शास्त्री, सिलवानी 35. **लूणदा** पं. श्री विवेक जैन शास्त्री, मड़देवरा 36. **कुरावड़** पं. श्री विक्रान्त शास्त्री, भगवाँ 37. **प्रतापगढ़ (मुमुक्षु मंडल)** पं. श्री चन्दुलालजी जैन, कुशलगढ़ 38. **कुशलगढ़** पं.श्री 39. **उदयपुर (मंडी की नाल)** पं. श्री संजयकुमारजी शास्त्री, खनियाँधाना 40. **वनस्थली विद्यापीठ** पं. श्री रासुल शास्त्री, कौतमा 41. **जयथल** पं. श्री समकित शास्त्री, गुना 42. **देवली (श्री आदिनाथ मन्दिर)** पं. श्री आकाश शास्त्री, खनियाँधाना 43. **लाम्बाखोह** पं. श्री स्वानुभव शास्त्री, गुना 44. **लकड़वास** पं. श्री अभिषेकजी शास्त्री, दिल्ली 45. **बोहेडा** पं. श्री अशोकजी शास्त्री, बक्स्वाहा 46. **चित्तौड़गढ़** पं. श्री कस्तूरचन्दजी जैन, भोपाल 47. **वल्लभनगर** पं. श्री पंकज जैन शास्त्री, बक्स्वाहाफ 48.**कून** पं. श्री शैलेष शास्त्री, बांसवाडा 49. **डबोक** पं. श्री अनिल जैन शास्त्री, खनियाँधाना 50. **डूँगरपुर** पं. श्री आशीष जैन शास्त्री, सिलवानी 51. **बैर** पं. श्री वैभव शास्त्री, डडूका 52. **बेगूँ** पं. श्री शनि जैन शास्त्री, खनियाँधाना 53. **हिंडोली (बून्दी)** पं. श्री पलाश शाह शास्त्री, डडूका 54. **जोधपुर** पं. श्री सौरभजी शास्त्री, खड़ैरी 55. **प्रतापगढ़** पं. श्री अर्पित शास्त्री, सेमारी 56. **बाराँ** पं. विमोशजी शास्त्री, खड़ैरी 57. **बिजौलिया** पं. सचिनजी शास्त्री, अकलूज 58.**कानौड** पं. आशीषजी शास्त्री, टोंक 59. **उदयपुर (सेक्टर–3)** पं. अभिजीत पाटिल शास्त्री, कोल्हापुर ।

गुजरात प्रान्त

1.**अहमदाबाद (वस्त्रापुर)** पं. श्री शैलेशभाई शाह, तलौद 2. **भावनगर** पं. श्री अभिनन्दनकुमारजी शास्त्री, खनियाँधाना 3. **अहमदाबाद (नवरंगपुरा)** पं. श्री शुद्धात्मप्रकाशजी भारिल्ल, जयपुर 4.**अहमदाबाद (मणीनगर)** पं. श्री विनोदकुमारजी जैन, जवेरा 5. **राजकोट** पं. श्री संजीवजी गोधा, जयपुर 6.**हिम्मतनगर** पं. श्री संजयकुमारजी इंजी., खनियाँधाना 7.**अहमदाबाद (ईशनपुर)** डॉ. महावीरप्रसादजी शास्त्री, उदयपुर 8. **तलोद** पं. श्री सुरेन्द्रकुमारजी 'पंकज' सिंगोड़ी 9. **अहमदाबाद (बहरामपुर)** पं. श्री मांगीलालजी जैन, मुम्बई 10. **अहमदाबाद (आशीषनगर)** पं. श्री सुरेन्द्रकुमारजी जैन, उज्जैन 11. **दाहोद** पं. श्री रितेश शास्त्री, डडूका 12. **अहमदाबाद (मेघाणीनगर)** पं. श्री अरुणकुमारजी मोदी, सागर 13. **अहमदाबादा (नरौड़ा)** पं. श्री रजित शास्त्री, भिण्ड 14. **वापी** पं. श्री चन्दुभाईजी शास्त्री फतेपुर 15. **अहमदाबाद (अमराईवाडी)** पं. श्री संजयकुमारजी शाह शास्त्री, अरथूना 16.**अहमदाबाद (ओढव)** पं. श्री चैतन्यजी शास्त्री, बक्स्वाहा 17.**अहमदाबाद (सरसपुर)** पं. श्री उदयमणीजी शास्त्री, भिण्ड 18.**जैतपुर** पं. श्री देवांग गाला, मुम्बई 19.**अहमदाबाद (पालडी)** वि. ज्ञानधारा झांझरी, उज्जैन,वि. पुष्पा झांझरी, उज्जैन 20.**बड़ौदा** डॉ. कपूरचन्दजी कौशल, भोपाल 21.**रखियाल** पं. श्री नितिनजी शास्त्री, खड़ैरी 22. **सुरेन्द्रनगर** पं. श्री अभिषेकजी शास्त्री, सिलवानी 23.**मौरवी** पं. श्री मोहित शास्त्री, नौगांव 24. **अहमदाबाद** विदुषी मुक्ति जैन शास्त्री, मुम्बई।

मध्यप्रदेश प्रान्त

1. **सोनागिर** पं. श्री ज्ञानचन्दजी जैन, विदिशा 2. **उज्जैन** पं. श्री विमलचन्दजी दादा झांझरी 3. **विदिशा (किला अन्दर)** ब्र. संवेगी

केशरीचन्दजी धवल, छिन्दवाड़ा 4. **अशोकनगर** पं. श्री वीरेन्द्रकुमारजी जैन, आगरा 5. **जबलपुर** पं. श्री रजनीभाई दोशी, हिम्मतनगर 6. **सागर (महावीर जिनालय)** पं. श्री प्रदीपकुमारजी झांझरी, उज्जैन 7. **इन्दौर (शक्कर बाजार)** पं. श्री महेन्द्रकुमारजी शास्त्री, भिण्ड 8. **भोपाल (चौक)** डॉ.दीपकजी शास्त्री, जयपुर 9. **मन्दसौर (गोल चौराहा)** डॉ. नरेन्द्रकुमारजी जैन, जयपुर 10. **इन्दौर (साधनानगर)** पं. श्री देवेन्द्रकुमारजी जैन, बिजौलिया 11. **भोपाल (कोहेफिजा)** डॉ. मानमलजी जैन, कोटा 12. **ग्वालियर (फालका बाजार)** पं. श्री शिखरचन्दजी जैन, विदिशा 13. **छिन्दवाड़ा** पं. श्री अनिलकुमारजी शास्त्री भिण्ड 14. **सागर (मकरोनिया)** पं. श्री प्रद्युम्नकुमारजी जैन, मुजफ्फरनगर 15. **शिवपुरी (स्वाध्याय भवन)** पं. श्री सुरेशचन्दजी जैन, टीकमगढ़ 16. **गुना (वीतराग–विज्ञान)** पं. श्री संजयजी सेठी शास्त्री, जयपुर 17. **बड़नगर** ब्र.अमित भैया, विदिशा 18. **टीकमगढ़** वि. पुष्पा जैन, खण्डवा 19. **सिलवानी** ब्र. सुधाबेन, छिन्दवाड़ा 20. **इन्दौर (पलासिया)** पं. श्री श्रेणिक जैन, जबलपुर 21. **भिण्ड (परमागम मंदिर)** पं. श्री प्रवीणजी शास्त्री, जयपुर 22. **फोपनार** पं. श्री निकलंक जैन, मंगलायतन 23. **रतलाम (तोपखाना)** पं. श्री विवेक जैन, छिन्दवाड़ा 24. **इन्दौर (गांधीनगर)** पं. श्री आराध्य टडैया, मुम्बई 25. **हरदा** श्रीमती कुसुमलता जैन, हरदा 26.**सिरोंज** पं. श्री देवेन्द्रकुमारजी जैन, सिंगोडी 27. **कुचड़ौद** पं. श्री राहुल शास्त्री, बदरवास 28. **करेली** पं. श्री अभयकुमारजी शास्त्री, खैरागढ़ 29. **बीना** पं. श्री विपिनकुमारजी शास्त्री, मुम्बई 30. **खुरई** वि. ब्र. विमला बेन, जयपुर 31. **सिंगोली** पं.श्री राजेशकुमारजी जैन शास्त्री 32. **निसईजी** पं. श्री अंकुरजी शास्त्री, देहगाँव 33. **खनियाँधाना** पं. श्री नरेन्द्रकुमारजी जैन, जबलपुर 34 **बड़नगर** पं. श्री अनिलकुमारजी पाटोदी 35. **इन्दौर (रामचन्द्रनगर)** पं. श्री दिलीपजी बाकलीवाल, इन्दौर 36. **भोपाल (कस्तूरबानगर)** पं. श्री सतीशचन्दजी जैन, पिपरई 37. **सागर (तारण–तरण)** पं. श्री पदमचन्दजी सर्राफ, आगरा 38. **आरोन** पं. श्री मनोजकुमारजी जैन, करेली 39. **जावरा** पं. श्री सुदीपजी जैन, अमरमऊ 40. **शुजालपुर सिटी** पं. श्री अनेकान्तजी शास्त्री, दलपतपुर 41. **नरवर** पं. रवीन्द्र शास्त्री, बकस्वाहा 42. **खरगौन** पं. श्री राहुलजी शास्त्री, दमौह 43. **सनावद (समवशरण मन्दिर)** पं. श्री सजलजी शास्त्री, सिंगोडी 44. **विदिशा (स्टेशन मन्दिर)** पं. श्री पदमजी अजमेरा, रतलाम 45. **ग्वालियर (सोडा का कुआ)** पं.श्री मथुरालालजी जैन इन्दौर 46.**अम्बाह** पं.श्री प्रमोदजी मोदी मकरोनिया, सागर 47. **जबेरा** पं. श्री चितरंजनजी जैन, छिंदवाड़ा 48. **मौ** पं. श्री किशनमलजी जैन, कोलारस 49. **शाहगढ़** पं.श्री नंदकिशोरजी गोयल, विदिशा 50. **धामनोद** पं. श्री नेमिचन्द्रजी जैन, ग्वालियर 51. **बण्डा** पं.श्री शीतलजी पाण्डे, उज्जैन 52. **शहडोल** पं. श्री अभिषेक जैन, मड़देवरा 53. **रत्नौद** पं. श्री संतोष वैद्य, खनियाँधाना 54. **बीड़** पं. श्री कपिल शास्त्री, पिड़ावा 55. **गौरझामर** पं. श्री राजकुमारजी जैन, अशोकनगर 56. **रांझी (जबलपुर)** पं. श्री सुरेशचन्दजी जैन, भिण्ड 57. **गोहद** पं.श्री कैलाशचन्द्रजी जैन, अशोकनगर 58.**इन्दौर (नरसिंहपुरा)** पं. श्री निखिल जैन शास्त्री, बण्डा 59. **इन्दौर (गोराकुण्ड)** पं. श्री पूनमचन्दजी छाबड़ा, जयपुर 60. **सागर (परकोटा)** पं. श्री दीपकजी शास्त्री, भिण्ड 61. **इन्दौर (गांधीनगर)** पं. श्री कमलचन्दजी जैन, पिड़ावा 62. **सोनागिर** पं. श्री शुद्धात्मप्रकाश शास्त्री, मौ 63. **भिण्ड (देवनगर)** पं.श्री आकेशजी जैन, छिन्दवाड़ा 64. **करेरा** पं. श्री आकाश शास्त्री, जयपुर 65. **अभाना** पं. श्री राकेशजी शास्त्री, लिधौरा 66. **गोरमी** पं. श्री महावीरप्रसादजी जैन, बदरवास 67. **बनखेड़ी** पं. श्री सौरभ शास्त्री, कर्रापुर 68. **शाहपुर** पं. श्री सचिनजी शास्त्री, भगवाँ 69. **रतलाम (स्टेशन मंदिर)** पं. श्री अचल साव, खनियाँधाना 70. **धर्मपुरी** पं. श्री श्रेयांसजी शास्त्री, दिल्ली 71. **भोपाल (महावीर नगर)** पं. श्री सोमिल शास्त्री, खनियाँधाना 72. **शिवपुरी (शान्तिनाथ मन्दिर)** पं. श्री बसंत शास्त्री, जयपुर 73. **पोरसा** पं. श्री अमित शास्त्री, बाँसवाड़ा 74. **ग्वालियर (दाना ओली)** पं. श्री नीतेश शास्त्री, आरोन 75. **शहपुरा (भिटौनी)** पं. श्री आशीष शास्त्री मंडावरा 76. **भिण्ड (बाहुबली मंदिर)** पं. श्री महेशचन्दजी जैन, ग्वालियर 77. **जबलपुर (विधान)** पं. श्री महावीर शास्त्री, बाँसवाड़ा 78. **मण्डेश्वर** पं. श्री दीपक शास्त्री, खनियाँधाना 79. **ग्वालियर (मुरार)** पं. श्री विवेक शास्त्री, दलपतपुर 80. **सिवनी** पं. श्री बाबूलालजी वैद्य, खुरई 81. **गुना (बाजार मन्दिर)** पं. श्री 82. **मैनपुरी** पं. श्री मिश्रीलालजी जैन, खनियाँधाना 83. **कुरहिया (ग्वालियर)** पं. श्री निशंक जैन शास्त्री, टीकमगढ़ 84. **बेगमगंज** पं. श्री राजेन्द्रकुमारजी जैन, पिपरई 85. **गंजबासौदा** पं. श्री सुमित शास्त्री, बाँसवाड़ा (ध्रुवधाम) 86. **अकाझिरी** पं. श्री अभिषेकजी शास्त्री, कोलारस 87. **शुजालपुर मण्डी** पं. श्री विमलकुमारजी जैन, लाखेरी 88.**अमायन** पं. श्री सौरभ जैन शास्त्री, बाँसवाड़ा 89. **दमोह** पं. श्री वीरेन्द्रजी शास्त्री, बक्स्वाहा 90. **रहली** पं. श्री गौरव जैन शास्त्री, बाँसवाड़ा 91. **द्रोणगिरि** पं. श्री मुरारीलालजी जैन, नरवर 92. **पथरिया** पं. श्री अपूर्व जैन शास्त्री, बाँसवाड़ा 93.**बदरवास** पं. श्री रॉकी जैन शास्त्री, बाँसवाड़ा 94. **गढ़ाकोटा** पं. श्री सुरेशचन्द्रजी सर्राफ, ललितपुर 95. **कोलारस** पं. श्री शान्तिलालजी सोगानी, महिदपुर 96. **खड़ैरी** पं. श्री अभिषेक जोगी शास्त्री, जयपुर 97. **शहपुरा (भिटौनी)** पं. श्री दीपक शास्त्री, मड़देवरा 98. **मगरौन** पं. श्री अर्पण शास्त्री, देहगाँव 99. **बड़ागाँव** पं. श्री सौरभ शास्त्री, खड़ैरी 100. **भोपाल, विदिशा, ग्वालियर,भिण्ड** पं.श्री पीयूषजी शास्त्री, जयपुर प्रत्येक स्थान पर 3–3 दिन 101. **महिदपुर** पं. श्री सुरेशचन्दजी इंजीनिय 102.**बेडिया** वि. आशा जैन, मलकापुर 103. **बड़ामलहरा** पं. श्री राहुल शास्त्री, नौगाँव 104. **पंचमढ़ी** पं. श्री आशीष शास्त्री, सिलवानी 105. **खैरागढ़** पं. श्री सौरभ शास्त्री, शाहगढ़ 106. **सूखा (निसईजी)** पं. श्री कपूरचन्दजी जैन, सागर

महाराष्ट्र प्रान्त

1. **मुम्बई (भारतीय विद्या भवन)** डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल, जयपुर 2. **मुम्बई (दादर)** पं. श्री राजेन्द्रकुमारजी जैन, जबलपुर 3. **मुम्बई (बोरीवली)** पं. श्री संजय शास्त्री, जेवर, अलीगढ़ 4. **मुम्बई (घाटकोपर)** ब्र.नन्हे भैया, सागर 5. **मुम्बई (भायंदर वेस्ट)** ब्र. सुमतप्रकाशजी खनियाँधाना 6. **देवलाली** पं. श्री सुदीपजी जैन, बीना 7. **मुम्बई (बसई)** पं. श्री

ऋषभकुमार शास्त्री, अहमदाबाद 8. **सोलापुर (श्रीआदिनाथ मंदिर)** पं. श्री धनसिंहजी जैन, पिड़ावा 9. **मुम्बई (दहीसर)** पं. श्री किशोरजी धोंगड़े, मुम्बई 10.**मुम्बई (मलाड)** पं. श्री राजकुमारजी शास्त्री, बाँसवाड़ा 11. **मुम्बई (सीमंधर जिनालय)** पं. श्री अनेकान्त भारिल्ल, मुम्बई 12. **पुणे (स्वाध्याय मंडल)** पं. श्री अरहंत प्रकाश झांझरी, उज्जैन 13. **सोलापुर (बुबने मन्दिर)** पं. श्री रवीन्द्रजी काले शास्त्री, कारंजा 14.**शिरडशहापुर** पं. श्री प्रशांतजी काल शास्त्री, राजूरा 15. **मुम्बई (जोगेश्वरी)** वि. स्वानुभूति टडैया शास्त्री, मुम्बई 16. **मुम्बई (डोंबीवली)** पं. श्री सुधीर शास्त्री, अमरमऊ 17. **मुम्बई (भांडुप)** पं. श्री अविनाश शास्त्री, शेडवाल 18. **भायंदर, बोरीवली, मलाड़ घाटकोपर, दादर–मुम्बई** ब्र. पं. श्री जतीशचन्द्रजी शास्त्री (प्रत्येक स्थान पर दो–दो दिन) 19. **मलकापुर** प. श्री निर्मलकुमारजी जैन, सागर 20. **हिंगोली** ब्र. श्री कैलाशजी अचल, ललितपुर 21. **भोसे** पं. श्री नितिन कौठेकर शास्त्री 22. **नागपुर (इतवारी)** ब्र. श्री सुनीलजी शास्त्री, शिवपुरी 23. **मुम्बई (भायंदर वेस्ट)** पं. श्री महेन्द्रकुमारजी शास्त्री, खनियाँधाना 24. **पुणे (गुरुवार पेठ)** पं. श्री बाहुबलीजी ढोकर 25. **नातेपुते** पं. श्री शीतल रायचन्द दोशी 26. **मुम्बई** पं. श्री परमात्मप्रकाशजी भारिल्ल 27. मुम्बई पं. श्री अध्यात्मप्रकाशजी भारिल्ल 28.**नागपुर** पं. श्री विपिनकुमारजी शास्त्री, श्योपुर 29. **अकलूज** पं. प्रफुल्लजी शास्त्री, शेडवाल 30. **कारंजा** पं. श्री कान्तिकुमार पाटनी, इन्दौर 31. **मुम्बई (एवरशाईनगर)** पं. श्री कमलकुमारजी जैन, जवेरा 32.**वाशिम (जवाहर कॉलोनी)** पं. श्री तेजकुमारजी गंगवाल, इन्दौर 33. **मुम्बई (भायंदर ईस्ट)** पं. श्री अनुभवजी जैन, करेली, पं. श्री दिविज सेठी, झालरापाटन 34.**नागपुर** पं. श्री मनीषजी सिद्धान्त, खडेरी 35. **वर्धा** पं. श्री देवेन्द्र शास्त्री, बंड (नागपुर) 36. **चिखली** पं. श्री 37. **अकलूज** पं.श्री अनिलकुमारजी जैन इंजि., भोपाल 38. **वरूड** पं. श्री पंकज शास्त्री, सिंघई 39. **फालेगाँव** पं. श्री सूरज मगदुम शास्त्री 40. **बेलोरा** पं. श्री गोम्मटेश्वर चौगले 41. **धरनगाँव** पं. श्री जयेश रोकड़े शास्त्री 42. **सावदा** पं. श्री अजय गोरे शास्त्री 43. **देऊलगाँवराजा** पं. श्री शीतल हेडवाडे, कोल्हापु 44. **हिवरखेड** पं. श्री प्रकाश उखलकर शास्त्री 45. **देवलाली (विधान)** पं. श्री अंकित छिंदवाड़ा शास्त्री 46. **देवरूख** पं. श्री सुकुमार पाटील, बाँसवाड़ा 47. **असुर्डे** पं. श्री श्रेणिक कोटेगाँव, बाँसवाड़ा 41. **सेलू** पं. श्री रमेशचन्द्रजी जैन मंगल 42. **नागपुर (विधान)** पं. श्री मधुकरजी शास्त्री, जलगाँव 43. **शिरपुर** पं. श्री निशांत पाटिल, बाँसवाड़ा 44. **वाशिम (सैतवाल मंदिर)** पं. श्री चिंतामन भूस, औरंगाबाद 45. **मालेगाँव** पं. श्री आतिश जोगी शास्त्री 46. **जलगाँव** पं. श्री चैतन्य जैन, कोटा 47. **डसाला** पं. श्री चैतन्य जैन, बाँसवाड़ा 48.**अक्कलकोट** पं. श्री अनेकांत जैन, बाँसवाड़ा 49. **हिंगनघाट** पं. श्री जितेन्द्रकुमार राठी, नागपुर 50. **मालशिरस** पं. श्री सतीशजी शास्त्री, बाँसवाड़ा 51. **अकोला** पं. श्री अभिनवजी शास्त्री, मैनपुरी 52. **सांगली** वि. स्वयंप्रभा पाटिल, उगार 53. **सांगली** पं. श्री प्रसन्न सेटे शास्त्री 54. **मण्डया** वि. धवलश्री पाटिल, बेलगाँव 55. **मुम्बई (मलाड़)** पं. श्री प्रीतम शास्त्री, बाँसवाड़ा 56. **पुणे (सांघवी)** पं. श्री अक्षय वाडकर शास्त्री, जयपुर 57. **पुसद** पं. श्री संदेश बोरालकर शास्त्री 58. **गजपंथा** पं.उदय चौगुले 59. **कोल्हापुर** पं. श्री फूलचन्दजी जैन, हिंगोली 60. **साडवली** पं. श्री अमोलजी पाटिल शास्त्री, बाँसवाड़ा 61. **जयसिंहपुर** डॉ. विजयसेन शास्त्री पाटिल 63. **चाँदूरेल्वे** पं. विपुल बोरालकर शास्त्री।

उत्तरप्रदेश प्रान्त

1.**अलीगढ़ (मंगलायतन)** ब्र. कल्पना बहिन, सागर 2. **अलीगढ़ (मंगलायतन)** पं. श्री अशोककुमारजी लुहाड़िया 3. **रुडकी** पं. श्री अशोककुमारजी उज्जैन 4.**बांधा** पं. श्री आशीषजी शास्त्री, टीकमगढ़ 5. **मेरठ (तीरगरान)** पं. श्री सुबोधकुमारजी जैन, सिवनी 6. **आगरा** पं. श्री निलयजी शास्त्री, टीकमगढ़ 7.**कानपुर (मुमुक्षु मण्डल)** पं. श्री अकलंक जैन मंगलायतन 8. **ललितपुर** पं. श्री मनोजकुमारजी जैन, जबलपुर 9.**फिरोजाबाद** पं. श्री सौरभ शास्त्री, फिरोजाबाद 10.**जैतपुर कला** पं. श्री गोकुलचन्दजी सरोज, ललितपुर 11.**खतौली** पं. श्री सिद्धार्थ दोशी, रतलाम 12.**मैनपुरी** पं. श्री मिश्रीलालजी जैन, खनियाँधाना 13. **बड़ौत** पं. श्री प्रकाशचन्दजी झांझरी, उज्जैन 14.**करहल** पं. श्री प्रकाशचन्दजी मैनपुरी, ज्योतिषाचार्य 15.**कांधला** पं. श्री रविकुमारजी जैन, ललितपुर 16. **सहारनपुर** पं. श्री विनोदजी जैन, गुना 17.**एतमादपुर** पं. श्री मनोजकुमारजी जैन, मुजफ्फरनगर 18. **गुरसराय** पं. श्री मनोजकुमारजी शास्त्री, अभाना 19.**कानपुर (किदवईनगर)** पं. धनेन्द्र सिंगल शास्त्री, ग्वालियर 20. **कुरावली** वि. समताजी झाँझरी, उज्जैन 21.**भोगाँव** पं. श्री सुकुमालजी झाँझरी, उज्जैन 22. **गंगेरू** पं. श्री अतुल जैन, शास्त्री 23.**बाबली** पं. श्री सौरभ शास्त्री, अमरमऊ 24.**मडावरा** पं. श्री रूपचन्दजी बण्डा 25. **कुर्राचितपुर** पं. श्री नीरज जैन शास्त्री, बाँसवाड़ा 26. **धामपुर** पं. श्री राहुल मेहता शास्त्री, बाँसवाड़ा 27. **कायमगंज** पं. श्री विनोथ शास्त्री, तमिलनाडु 28. **भरतना** पं. श्री सनत शास्त्री, बाँसवाड़ा 29.**मेरठ (शास्त्री नगर)** पं. श्री धवल सेठ, बाँसवाड़ा 30. **इटावा** पं. श्री चैतन्य शास्त्री, बाँसवाड़ा 31.**आगरा (ताजगंज)** पं. श्री राजीवकुमारजी शास्त्री, भिण्ड 32.**झांसी (पार्श्वनाथ)** पं. श्री दीपेशजी शास्त्री, अमरमऊ 33. **रानीपुर (झांसी)** पं. श्री सत्येन्द्रजी जैन, बीना 34. **कुरावली** पं. श्री चिन्मय शास्त्री, बाँसवाड़ा 35.**धामपुर** पं. श्री प्रदीपजी शास्त्री, खतौली 36.**झांसी (चन्द्रप्रभु)** पं. श्री जिनेन्द्रजी शास्त्री, उदयपुर।

अन्य प्रान्त

1. **बैंगलौर** पं. ब्र. श्री हेमचन्दजी हेम, देवलाली 2. **कोलकाता** पं. श्री गुलाबचन्दजी जैन, बीना 4. **कोचीन** पं. श्री अनिलजी धवल शास्त्री, कानपुर 5. **सरिया** पं. श्री नागेशजी जैन, पिड़ावा 6. **बेलगाँव** पं. श्री मनीषकुमारजी शास्त्री, बरेलीवाले इन्दौर 7. **रानीपुर (हरिद्वार)** पं. श्री निर्मलचन्दजी जैन एडवोकेट, एटा 8.**लुधियाना** पं. श्री अंकित शास्त्री, लूणदा 9. **खड़गपुर** पं. श्री करण शाह शास्त्री, जयपुर 10.**हिसार** पं. श्री चन्दुलालजी जैन, कुशलगढ़ 11. **गन्नौर** पं. श्री हुकमचन्दजी जैन, राधौगढ़ 12. **साठौरा** पं. श्री शैलेष जैन शास्त्री, बाँसवाड़ा 13.**खडगपुर** पं. श्री सुमित शास्त्री, टीकमगढ़ 14. **घटप्रभा** पं. श्री मिथुन पुदाली शास्त्री 15. **कर्नाटक (इंडि)** पं. श्री संतोष सन्नम्मर शास्त्री 16. **पुरुलिया** पं. श्री विशेष शास्त्री, बड़ामलहरा 17. **बेलगाँव (विधान)** पं. श्री सन्दीप पाटील, शास्त्री 18.**धारवाड़** पं. श्री अजित कवटेकर शास्त्री। **(शेष पृष्ठ 7 पर ...)**

मोक्षमार्ग प्रकाशक का सार 34

आठवाँ प्रवचन - डॉ. हुकमचन्द भारिल्ल

(गतांक से आगे...)

इसके बाद वे ढूढकमत अर्थात् स्थानकवासी सम्प्रदाय की समीक्षा करते हैं। श्वेताम्बर समाज में मुँहपट्टी का प्रयोग करनेवाले स्थानकवासी और तेरापंथी नाम से दो संप्रदाय हैं। स्थानकवासी सम्प्रदाय के संत कपड़े की जिन मुँहपट्टियों का प्रयोग करते हैं, वे मुँहपट्टियाँ अपेक्षाकृत अधिक चौड़ी होती हैं और उनमें डोरी मात्र ऊपर की ओर ही रहती है; किन्तु श्वेताम्बर तेरापंथी सम्प्रदायवालों की मुँहपट्टियाँ अपेक्षाकृत कम चौड़ाई की होती हैं और उनमें नीचे और ऊपर ह्न दोनों ओर डोरी लगी होती है।

पण्डित टोडरमलजी के समय या तो श्वेताम्बर तेरापंथ सम्प्रदाय होगा ही नहीं। यदि होगा भी तो, वह अत्यन्त आरंभिक अवस्था में होगा। यही कारण है कि उन्होंने मोक्षमार्गप्रकाशक में उनकी कोई चर्चा नहीं की।

स्थानकवासी (ढूढिया) सम्प्रदाय उनके दो-ढाई सौ वर्ष पहले आरंभ हो चुका था। उसकी मान्यताओं की समीक्षा इस मोक्षमार्गप्रकाशक ग्रंथ में विस्तार से की गई है।

स्थानकवासी सम्प्रदाय में मुँहपट्टी के साथ-साथ दूसरा अन्तर मूर्ति-मंदिर के निषेध का है। वे मंदिर नहीं बनवाते, मूर्तियाँ प्रतिष्ठित नहीं करते, मंदिरों के स्थान पर स्थानक बनवाते हैं। उनकी इस प्रवृत्ति की भी समीक्षा यहाँ की गई है।

पण्डितजी कहते हैं कि अहिंसा का एकान्त पकड़ कर प्रतिमा, चैत्यालय (मंदिर) और पूजनादि क्रिया का निषेध करना ठीक नहीं है; क्योंकि उनके (स्थानक वासियों के) शास्त्रों में भी प्रतिमा आदि का निरूपण पाया जाता है। भगवती सूत्र में ऋद्धिधारी मुनि का निरूपण है।

उक्त प्रकरण में ऐसा पाठ है कि मेरुगिरि आदि में जाकर **'तत्थ चेययाइं वंदई' इसका अर्थ यह है कि वहाँ जाकर चैत्यों की वंदना करते हैं। 'चैत्य' शब्द का प्रयोग प्रतिमा के अर्थ में होता है ह्न यह बात तो सर्वजन प्रसिद्ध ही है।**

इस पर वे कहते हैं कि **चैत्य** शब्द के **ज्ञानादि** अनेक अर्थ होते हैं ? अत: चैत्य शब्द का अर्थ प्रतिमा न लेकर ज्ञान लेना चाहिए; किन्तु उनका यह कहना ठीक नहीं है; क्योंकि ज्ञान की वंदना तो कहीं भी की जा सकती है। **ज्ञान की वंदना के लिए मेरुगिरि पर या नन्दीश्वर द्वीप में जाने की क्या आवश्यकता है ?**

अत: यहाँ चैत्य शब्द का प्रतिमा अर्थ ही सही है। चैत्यों के विराजमान होने से उक्त जिनमंदिरों को चैत्यालय कहा जाता है।

अरे भाई ! जिसप्रकार काष्ठ-पाषाण आदि की महिलाओं की मूर्ति को देखकर विकारभाव होता है; उसीप्रकार जिनप्रतिमा को देखकर भक्तिभाव क्यों नहीं होगा ?

इसप्रकार पण्डितजी अनेक आगम प्रमाण और युक्तियों के आधार से मूर्ति और मंदिरों की स्थापना करते हैं।

यद्यपि पण्डितजी ने मोक्षमार्गप्रकाशक में मंदिरमार्गी मूर्तिपूजक और स्थानकवासी श्वेताम्बरों की चर्चा बहुत विस्तार से की है; तथापि हमें यहाँ उक्त संदर्भ में विशेष चर्चा करना अभीष्ट नहीं है। जिन भाई-बहिनों को उक्त संदर्भ में विशेष जानना हो; वे मोक्षमार्गप्रकाशक के उक्त प्रकरणों का निष्पक्षभाव से गंभीर अध्ययन करें।

इसप्रकार हम देखते हैं कि इस पाँचवें अधिकार में अन्य मतों की समीक्षा के साथ-साथ मूर्तिपूजक मंदिरमार्गी श्वेताम्बर मत और स्थानक-वासी श्वेताम्बर मतवालों की भी समीक्षा की गई है।

इसके बाद छठवाँ अधिकार आरंभ होता है। इस अधिकार में गृहीत मिथ्यात्व के ही अन्तर्गत कुदेव, कुगुरु और कुधर्म का स्वरूप बताकर उनकी उपासना का निषेध किया गया है। इसके ही अंतर्गत गणगौर, शीतला, भूत-प्रेतादि व्यंतर, सूर्य-चन्द्र-शनिश्चरादि ग्रह, पीर-पैगम्बर, गाय आदि पशु, अग्नि, जलादि के पूज्यत्व पर भी विचार किया गया है।

इसके अतिरिक्त क्षेत्रपाल, पद्मावती आदि एवं यक्ष-यक्षिका की पूजा-उपासना आदि के संदर्भ में सयुक्ति विवेचन प्रस्तुत किया गया है और इनको पूजने का निराकरण किया गया है।

पाँचवें अधिकार में जैनेतर एवं श्वेताम्बर मत की समीक्षा के उपरान्त अब इस छठवें अधिकार में दिगम्बर धर्म के अनुयायियों में प्राप्त होनेवाली गृहीत मिथ्यात्व संबंधी विकृतियों की चर्चा आरंभ करते हैं।

कुदेव, कुगुरु और कुधर्म के संदर्भ में सर्वप्रथम यह समझ लेना अत्यन्त आवश्यक है कि अदेव को देव, अगुरु को गुरु और अधर्म को धर्म मान लेना ही कुदेव, कुगुरु और कुधर्म की उपासना है। तात्पर्य यह है कि जैनदर्शन में वीतरागी-सर्वज्ञ अरहंत और सिद्ध परमेष्ठी सच्चे देव हैं, वीतरागता के मार्ग पर चलनेवाले छटवें-सातवें गुणस्थान और उसके आगे बारहवें गुणस्थान तक के संत ही देव-गुरु-धर्मवाले गुरु हैं तथा वीतरागतारूप और वीतरागता की पोषक परिणति ही धर्म है।

कहीं-कहीं अरहंत भगवान को भी परमगुरु कहा गया है। अत: हम यह भी कह सकते हैं कि पंच परमेष्ठियों में सिद्ध भगवान देव हैं और शेष चार परमेष्ठी ह्न अरहंत, आचार्य, उपाध्याय और साधु गुरु हैं।

यह तो आप जानते ही हैं कि लोक में विद्यागुरु को भी गुरु कहा जाता है; माता-पिता, बड़े भाई आदि पारिवारिक पूज्यपुरुषों को भी गुरु शब्द से अभिहित किया जाता है। अत: यह ध्यान रखना अत्यन्त आवश्यक है कि यहाँ जिन गुरुओं की बात चल रही है; वे गुरु देव-शास्त्र-गुरुवाले गुरु ही हैं; अन्य अध्यापकादि और घर के पूज्यपुरुष नहीं। **(क्रमश:)**

(पृष्ठ 5 का शेष ....)

दिल्ली

1.**विश्वासनगर** डॉ. उत्तमचन्दजी जैन, सिवनी एवं पं. श्री विवेकजी शास्त्री, सागर 2.**पटपड़गंज** विदुषी श्रुति जैन शास्त्री 3.**सरोजनी नगर** पं.शशांक शास्त्री सागर 4.**शिवाजी पार्क** पं. श्री कस्तूरचन्दजी बजाज, भोपाल 5.**बैंक एन्क्लेव (लक्ष्मीनगर)**पं. श्री ऋषभकुमारजी शास्त्री, उस्मानपुर 6.**वसुन्धरा एन्क्लेव** वि. श्रुति जैन शास्त्री, दिल्ली 7.**जवाहर पार्क (लक्ष्मीनगर)** 8.**पाण्डवनगर** पं. श्री अंकित शास्त्री, कोलारस 9.**आत्मार्थी ट्रस्ट (आत्मासाधना केन्द्र)** पं. श्री सतीशजी कासलीवाल, उज्जैन 10.**बी–1 जनकपुरी** पं. श्री संदीपजी शास्त्री, गोहद 11.**सी–2 जनकपुरी** पं. श्री सुशीलजी शास्त्री, गोहद 12.**सरस्वती विहार** पं. श्री अविरलजी शास्त्री, विदिशा 13. **सैनिक फार्म** पं. श्री राकेशकुमारजी जैन शास्त्री, नांगलोई 14.**दिल्ली कैंट** पं. श्री सचिन जैन शास्त्री, बाँसवाड़ा 15.**विकासपुरी** पं. श्री संदीप शास्त्री बाँसवाड़ा 16.**पालम गाँव** पं. श्री ऋषभ शास्त्री, ललितपुर 17.**अशोका एन्क्लेव (पीरागढ़ी)** पं. श्री तन्मयजी शास्त्री, खनियाँधाना 18.**इन्द्रपुरी** पं. श्री अमितजी शास्त्री, फुटेरा 19.**बसंत कुंज** पं. श्री एकत्वजी शास्त्री, खनियाँधाना 20.**रोहिणी से.–5** पं. मधुवन जैन शास्त्री, मुजफ्फरनगर 21.**पुष्पांजलि एन्क.** पं. अविरल शास्त्री विदिशा 22.**बुद्धविहार** पं. श्री अमितजी शास्त्री, लुकवासा 23.**द्वारका से. 11** पं. नीरजजी जैन सिंगोली 24.**गोविन्दपुरी (कालकाजी)** पं. श्री शैलेन्द्र शास्त्री, जयपुर 25.**राजा बाजार (शिवाजी स्टेडियम)** पं. श्री निशांत जैन शास्त्री, ध्रुवधाम 26.**मंटोला पहाड़गंज** पं. श्री अमितजी शास्त्री, फुटेरा 27.**वैदवाड़ा (चांदनी चौक)** पं. श्री संजीवजी शास्त्री, बारां 28.**शंकर रोड़, (राजेन्द्र नगर)** पं. श्री सुनीलजी धवल, भोपाल 29. **सीताराम बाजार** पं. श्री शौर्य जैन शास्त्री, ध्रुवधाम 30.**शक्तिनगर** पं. संजीवजी जैन, उस्मानपुरा 31.**आर्यपुरा (सब्जी मण्डी)** पं. प्रयंक शास्त्री रहली 32.**खेकड़ा (उ.प्र)** पं. श्री अभिषेक शास्त्री, ध्रुवधाम 33.**बिनौली (उ.प्र.)** पं. श्री कान्तिकुमारजी जैन, इन्दौर 34.**सेक्ट. 10 फरीदाबाद (हरि.)** पं. श्री श्रेणिकजी शास्त्री, बाँसवाड़ा 35.**गोहाना (हरि.)** पं. श्री वीरेन्द्र शास्त्री, बाँसवाड़ा 36.**बहादुरगढ़ (हरि.)** पं. श्री निखिल शास्त्री, कोतमा 37.**छपरौली (उ.प्र.)** पं. श्री पूरणचन्दजी मौ वाले सोनागिर 38. **दिल्ली (आत्मार्थी ट्रस्ट)** पं. श्री दिनेशजी कासलीवाल, उज्जैन।

विदेश

1. नाइरोबी (अफ्रीका) : पण्डित अभयकुमारजी देवलाली **2. डलास (यू.एस.ए.) :** पण्डित दिनेश भाई शाह, मुम्बई **3. डलास (यू.एस.ए.) :** वि. उज्ज्वला शाह (मुम्बई) **4. लन्दन (यू.के.) :** पण्डित सुनील जैनापुरे, राजकोट **5. कनाड़ा :** विदुषी राजकुमारी जैन, दिल्ली (आत्मार्थी ट्रस्ट)।

मुक्त विद्यापीठ के छात्र ध्यान दें !

मुक्त विद्यापीठ, जयपुर के विशारद प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष एवं शास्त्री पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश लेनेवाले छात्र अपने आवेदन शीघ्र भेजें। प्रवेश हेतु अंतिम तिथि 31 अगस्त है। आवेदन पत्र श्री टोडरमल स्मारक भवन, ए–4, बापूनगर, जयपुर को पत्र लिखकर या **E-Mail :** ptstjaipur@yahoo.com से मंगा सकते हैं।

अखिल भारतीय जैन युवा फैडरेशन द्वारा ह्न

शाकाहार दिवस पर अनेक कार्यक्रम

अखिल भारतीय जैन युवा फैडरेशन राजस्थान प्रान्त ने विश्व में शाकाहार और अहिंसा के प्रचार व शांति व सद्भाव की स्थापना के उद्देश्य से दिनांक 9 अगस्त को '**शाकाहार दिवस**' घोषित किया ।

ज्ञातव्य है कि इसी दिन सन् 1942 में भारत छोडो आन्दोलन का प्रारंभ हुआ था, उसी प्रसंग को आधार बनाकर मांसाहार छोड़ो आन्दोलन शुरु किया गया है।

इस प्रसंग पर जयपुर, उदयपुर, बांसवाड़ा, अलवर, पिडावा आदि स्थानों पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये।

1. फैडरेशन की जयपुर महानगर शाखा के तत्त्वावधान में श्री टोडरमल दि. जैन सिद्धान्त महाविद्यालय के 13 छात्रों की टीम के माध्यम से रवीन्द्र मंच, रामनिवास बाग में विशाल स्तर पर मांसाहार के विरोध एवं शाकाहार व सदाचार प्रेरक एक 'संकल्प' नामक नाटिका का मंचन किया गया। इस कार्यक्रम में सर्वज्ञ भारिल्ल की सक्रिय भूमिका रही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल ने की। मुख्य अतिथि राज.के पूर्व गृहमंत्री माननीय श्री गुलाबचन्दजी कटारिया थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पण्डित रतनचन्दजी भारिल्ल, ब्र. यशपालजी जैन, श्री प्रकाशचन्दजी सेठी, श्री महेन्द्रकुमारजी पाटनी, श्री अनिलजी जैन, श्री सुशीलजी गोदीका, श्री शांतिलालजी जैन आदि मौजूद थे।

अतिथियों का स्वागत फैडरेशन के राष्ट्रीय मंत्री श्री शुद्धात्मप्रकाशजी भारिल्ल ने एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ. बी.सी. जैन ने किया।

2. उदयपुर : यहाँ इस प्रसंग पर अखिल भारतीय जैन युवा फैडरेशन उदयपुर जिला के माध्यम से फतह उच्च माध्यमिक विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित की गईं।

इस अवसर पर आयोजित सभा की अध्यक्षता श्री सुरेशचन्द जैन ने की। मुख्य अतिथि प्रमुख समाज सेवी बी. एल. थाया (जैन) तथा विशिष्ट अतिथि श्री कन्हैयालाल दलावत, श्री कचरूलाल मेहता, श्री हीरालाल अखावत, श्री लक्ष्मीलाल बण्डी आदि मंचासीन थे।

फैडरेशन के प्रदेश प्रभारी श्री जिनेन्द्रजी शास्त्री ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। सभा के पश्चात् 60 बच्चों ने '**शाकाहार की दैनिक जीवन में उपयोगिता**' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता एवं 48 छात्र–छात्राओं ने चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया।

ज्ञातव्य है कि शाकाहार दिवस पर आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता में 5 एवं चित्रकला प्रतियोगिता में 4 मुस्लिम बच्चों की बहुत आकर्षक प्रस्तुति रही।

सभी प्रतियोगियों को श्री शशिकान्त शाह द्वारा प्रभावना दी गई।

कार्यक्रम का संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. महावीर प्रसाद जैन ने किया तथा आभार प्रदर्शन पं. खेमचन्दजी जैन ने किया।

17 अगस्त 2009, मूल्य : 2/- आर. एन. आई. 31109/77 RJ / J. P. C / FN-61 / 2009-11

32 वाँ आध्यात्मिक शिविर सम्पन्न

जयपुर (राज.) : यहाँ श्री कुन्दकुन्द कहान दिगम्बर जैन तीर्थसुरक्षा ट्रस्ट, मुम्बई द्वारा प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन में 26 जुलाई से 4 अगस्त, 09 तक 32 वाँ आध्यात्मिक शिक्षण-शिविर सानन्द सम्पन्न हुआ। उद्घाटन के समाचार विगत अंक में प्रकाशित किये जा चुके हैं।

शिविर में प्रतिदिन गुरुदेवश्री के सी.डी. प्रवचनों के अतिरिक्त तार्किक विद्वान डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल के मार्मिक प्रवचनों का लाभ मिला। प्रतिदिन डॉ. उत्तमचन्दजी सिवनी के दोनों समय सारगर्भित प्रवचनों के साथ-साथ पण्डित ज्ञानचन्दजी जैन सोनागिरि, पण्डित राजेन्द्रकुमारजी जैन जबलपुर, पण्डित अनिलजी शास्त्री भिण्ड, पण्डित कमलचन्दजी पिड़ावा एवं पण्डित शिखरचन्दजी जैन विदिशा के प्रवचन हुये।

प्रतिदिन चलनेवाली प्रौढ कक्षाओं में पण्डित रतनचन्दजी भारिल्ल द्वारा षट्कारक, पण्डित ज्ञानचन्दजी जैन सोनागिरि द्वारा मोक्षमार्गप्रकाशक, ब्र. जतीशचन्दजी शास्त्री द्वारा छहढाला, ब्र. यशपालजी जैन द्वारा गुणस्थान विवेचन, पण्डित शांतिजी पाटील द्वारा तत्त्वार्थसूत्र, पण्डित संजीवजी गोधा द्वारा नैगमादि नय, पण्डित प्रकाशजी छाबड़ा द्वारा गोम्मटसार की कक्षा ली गई।

दोपहर की सभा में प्रतिदिन बाबू जुगलकिशोरजी युगल के सी.डी. प्रवचन एवं महाविद्यालय के छात्र विद्वान प्रवचन के उपरान्त विशिष्ट व्याख्यानों में पण्डित राजेन्द्रजी जबलपुर, पण्डित प्रदीपजी झांझरी उज्जैन, पण्डित अनिलजी शास्त्री भिण्ड एवं पण्डित गुलाबचन्दजी बीना के प्रवचनों का लाभ मिला।

प्रात: ५.३० बजे प्रौढ कक्षा में पण्डित राजेन्द्रकुमारजी जबलपुर, पण्डित गुलाबचन्दजी जैन बीना, पण्डित कमलचन्दजी पिडावा, पण्डित प्रकाशचन्दजी छाबड़ा एवं पण्डित प्रवीणजी शास्त्री के प्रवचनों का लाभ मिला।

सायंकाल जिनेन्द्र भक्ति के पूर्व डॉ. शुद्धात्मप्रभा टडैया के निर्देशन में पण्डित विकास शास्त्री एवं सहयोगियों ने बाल कक्षायें लीं। शिविर के मध्य १० नवीन पुस्तकों का विमोचन हुआ।

शिविर के आमंत्रणकर्त्ता श्री रमेशचन्द कोदरलाल दोशी मुम्बई, श्रीमती वीणाबेन जगदीशभाई मोदी परिवार मुम्बई, श्री चिद्रुपभाई वेलजीभाई शाह परिवार मुम्बई, श्री प्रेमचन्दजी बजाज कोटा तथा श्री नवीनचन्द केशवलालजी मेहता मुम्बई थे। **प्रात: चौंसठ ऋद्धि मण्डल विधान** के आमंत्रणकर्ता श्री बाबूलालजी पंचाली थांदला इन्दौर, श्री शिखरचन्दजी सर्राफ विदिशा, श्री महीपालजी ज्ञायक एवं धनपाली ज्ञायक परिवार बांसवाडा, श्री केशवजी सुधांशु जैन कुरावली, श्री नवीनचन्द केशवलालजी मेहता मुम्बई, श्री कन्हैयालालजी मन्दसौर, डॉ. अरविन्दभाई दोशी गोंडल, श्री मणीकान्तभाई शाह घाटकोपर, श्री अनीलकुमार बी. दोशी सुदासणावाले मुम्बई, स्व. श्रीमती हंसमुख देवी जीवरामजी की स्मृति में हस्ते जवाहरलालजी एकाउन्टेंट थे।

विधि-विधान के समस्त कार्य पण्डित सुनीलजी धवल भोपाल एवं पण्डित कांतिकुमारजी इन्दौर ने सम्पन्न कराये।

२ अगस्त को श्री कुन्दकुन्द कहान दि. जैन तीर्थसुरक्षा ट्रस्ट सलाहकार समिति का अधिवेशन रखा गया, जिसकी अध्यक्षता ब्र. धन्यकुमारजी बेलोकर ने की। कार्यक्रम का संचालन श्री महीपालजी जैन बांसवाडा ने किया।

सभी कार्यक्रम ब्र. जतीशचन्दजी शास्त्री दिल्ली एवं श्री महापालजी ज्ञायक बांसवाड़ा के निर्देशन में सम्पन्न हुये। ●

डॉ. भारिल्ल के आगामी कार्यक्रम

16 से 23 अगस्त	मुम्बई (भारतीय विद्या भवन)	श्वेताम्बर पर्यूषण
24 अग. से 3 सित.	मुम्बई (भारतीय विद्या भवन)	दशलक्षण महापर्व
27 सित. से 6 अक्टू.	जयपुर	शिक्षण शिविर
15 से 19 अक्टूबर	देवलाली	दीपावली
20 व 21 अक्टूबर	कोल्हापुर	प्रवचन
22 व 23 अक्टूबर	बेलगाँव	प्रवचन
28 अक्टूबर	मंगलायतन (यूनिवर्सिटी)	दीक्षान्त समारोह
22 से 24 नवम्बर	होशंगाबाद	तारण जयन्ती
25 से 27 नवम्बर	देवलाली	वेदी प्रतिष्ठा
28 नवम्बर	मुम्बई	प्रवचन
29 नवम्बर	इन्दौर	प्रवचन
25 से 31 दिसम्बर	दक्षिण भारत	फैडरेशन यात्रा

शोक समाचार

1. मुम्बई : अ.भा.जैन युवा फैडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विपुलभाई मोटानी की ध.प. **श्रीमती कल्पना मोटानी** का दिनांक 9 अगस्त को देह परिवर्तन हो गया है। आपके निधन पर फैडरेशन की अनेक शाखाओं से शोक सन्देश प्राप्त हो रहे हैं। अनेक स्थानों पर शोक सभायें आयोजित की गईं।

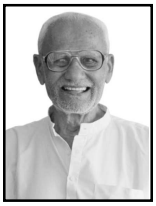

2. मुम्बई : श्री दिलीप भाई शाह-अहिंसा चैरिटेबल ट्रस्ट के पिता **श्री बेलजीराय सी. शाह** का 82 वर्ष की आयु में देहावसान हो गया है। आप गुरुदेवश्री के अनन्य भक्त थे एवं टोडरमल स्मारक की समस्त गतिविधियों की हृदय से प्रशंसा किया करते थे।

3. ज्वालापुर (हरिद्वार) निवासी श्रीमती बिरमोदेवी ध.प. स्व. श्री शेखरचन्द जी का दिनांक 14 जुलाई को देहावसान हो गया है। आप सरल स्वभावी एवं स्वाध्यायी महिला थीं। आपकी स्मृति में आपके परिवार की ओर से 500/- रुपये जैन पथ प्रदर्शक को प्राप्त हुये हैं; एतदर्थ धन्यवाद !

दिवंगत आत्मायें शीघ्र ही अभ्युदय को प्राप्त हों यही भावना है।

प्रकाशन तिथि : 13 अगस्त 2009

प्रति,

सम्पादक : **पण्डित रतनचन्द भारिल्ल** शास्त्री, न्यायतीर्थ, साहित्यरत्न, एम.ए., बी.एड.
प्रबन्ध सम्पादक : **पण्डित संजीवकुमार गोधा**, डबल एम.ए.(जैनविद्या व तुलनात्मक धर्मदर्शन; इतिहास), नेट, एम.फिल (जैन दर्शन)
प्रकाशक एवं मुद्रक : **ब्र. यशपाल जैन** द्वारा जैनपथप्रदर्शक समिति के लिए जयपुर प्रिण्टर्स प्रा.लि., जयपुर से मुद्रित तथा त्रिमूर्ति कम्प्यूटर्स, श्री टोडरमल स्मारक भवन, ए-४, बापूनगर, जयपुर से प्रकाशित।

यदि न पहुँचे तो निम्न पते पर भेजें -
ए- 4 बापूनगर, जयपुर - 302015 (राज.)
फोन : (0141) 2705581, 2707458
E-Mail : ptstjaipur@yahoo.com **फैक्स :** (0141) 2704127